सुखद | जुलाई से सितंबर 2026 के बीच 61,177 करोड़ का निर्यात, 2025-26 में समान अवधि में 49,635 करोड़ था

दूसरी तिमाही में यूपी का निर्यात 23 फीसदी बढ़ा

■ विनोद पांडेय

लखनऊ। मध्य पूर्व एशिया के देशों में चल रही अस्थिरता के बीच यूपी के निर्यात ने फिर तेजी पकड़ ली है। प्रदेश से होने वाले कुल निर्यात में 23.25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। यह पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही के मुकाबले 11,542 करोड़ ज्यादा है।

प्रदेश से निर्यात न केवल सुधरा है बल्कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुकाबले समान अवधि से 23.25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले वर्ष दूसरी तिमारी में प्रदेश से कुल निर्यात 49,635 करोड़ था, जो चालू वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 61,177 करोड़ पहुंच गया है। करीब 11,542 करोड़ रुपये का ज्यादा निर्यात हुआ है। इसमें गल्फ कार्पोरेशन काउंसिल (जीसीसी) में शामिल देशों का बड़ा योगदान रहा है।

पहले इंडिया फाउंडेशन के रिसर्च फेलो जशन कक्कड़ कहते हैं कि यूपी को प्रोडक्ट, मार्केट तथा डिस्ट्रिक्ट विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। निर्यात वृद्धि उत्साहजनक है, लेकिन कुछ ही उत्पादों, बाजारों और जिलों तक सीमित है। विदेश व्यापार महानिदेशालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, कुल निर्यात में डिब्बाबंद मीट की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी 45.12 फीसदी है। यह हिस्सेदारी 10,000 करोड़ रुपये पहुंच गई है।



प्रदेश से प्रमुख उत्पादों के निर्यात का आंकड़ा (करोड़ रुपये में)

उत्पाद	2025-26	2026-27	वृद्धि %
इलेक्ट्रिकल्स मशीनरी	11,024.96	15088.78	36.86
फ्रोजन मीट	6,924.88	10,049.26	45.12
मकैनिकल उपकरण	2,914.96	2,851.73	-2.17
रेडीमेड कपड़े	3,757.27	4,115.00	9.53
फुटवियर	2,307.27	2373.51	2.87

61177 करोड़ का निर्यात जुलाई से सितंबर 2026 के बीच हुआ

49635 करोड़ वित्तीय वर्ष 2025-26 में समान अवधि में यह था

45% से ज्यादा इसमें प्रसंस्करित मीट निर्यात की हिस्सेदारी